प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

सोशल मीडिया ने लखनऊ के एक शख़्स की जीवन–रक्षक सर्जरी के लिए जुटाई रकम

- *मरीज के चेहरे को कमर की त्वचा से दोबारा बनाया गया*
- *16 घंटे की जटिल सर्जरी में ट्यूमर निकाला गया और ब्रेन को क्षतिग्रस्त होने से बचाया गया*

नई दिल्ली, 06 दिसंबर, 2016: सोशल मीडिया आज महज लोगों को जोड़ने और संवाद कायम करने से इतर भी बहुत कुछ कर रहा है। 35 वर्षिय लखनऊ निवासी ताकी हसन के लिए सोशल मीडिया में की गई मदद की अपील कारगर साबित हुई जब उनकी जीवन–रक्षक सर्जरी के लिए संभावित रकम जुट गई।उन्हें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मुस्लिम और सिख समुदायों से रुपये की मदद प्राप्त हुई और उस रकम का उपयोग एंटीरियर कारनिओफेसियल रिसेक्शन सर्जरी के माध्यम से ट्यूमर हटाने में किया गया। यह सर्जरी अक्टूबर 2016 में फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल, वसंतकुंज में हेड, नेक एवं ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी विभाग के प्रमुख डॉ. मनदीप एस मल्होत्रा और न्यूरोसर्जरी विभाग के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राणा पातिर के नेतृत्व वाली चिकित्सकों की टीम ने की।

ताकी हसन के भी हम सभी की तरह सपने थे और उसे पूरा करने के लिए वह इलेक्ट्रिशियन के तौर पर काम करने के लिए विदेश चले गए। हालांकि एक दुर्घटना में गिरने की वजह से उनके सिर में गंभीर चोट आई और उनका जीवन थोड़े समय के लिए ठहर सा गया। हालांकि कुछ हफ्तों बाद वह फिर से अपने काम में जुट गए लेकिन अचानक चक्कर आने की वजह से वह एक बार फिर सीढ़ियों से गिर पड़े। ताकी को समझ आ गया था कि कुछ गड़बड़ है और उन्होंने चिकित्सक से परामर्श लेने और उपचार कराने के लिए वापस अपने घर लखनऊ आने का निर्णय किया। शुरूआत में उन्हें चक्कर आने का इलाज किया गया। लेकिन उनके सिर में सूजन दिखने पर जब उसकी जांच की गई तो पाया गया कि दाईं आंख के ऊपर माथे पर एक ट्यूमर है। उनकी पहली सर्जरी में ट्यूमर को निकाल दिया गया था। इसके कुछ ही समय बाद उसी जगह पर दो बार फिर ट्यूमर बन गया, जिसके लिए भी उन्हें बार–बार सर्जरी करानी पड़ी। चौथी सर्जरी के बाद ताकी मानसिक, शारीरिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से लगभग टूट से गए थे। उन्हें जब फिर से ट्यूमर हुआ तो उनके पास इलाज के लिए पैसे भी नहीं थे और उन्होंने सभी उम्मीदें छोड़ दी। लेकिन ट्यूमर ऑर्बिट, नेत्रगोलक (आईबॉल) एवं चेहरे पर तेजी से फैल रहा था और लगभग उनके ब्रेन सेल्स तक पहुंच गया। उसी समय ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले उनके एक संबंधी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पैसे की मदद करने की अपील करने की सलाह दी। उनकी इस अपील का असर हुआ लगभग हर कोने, यहां तक कि विदेश से भी

मदद के लिए लोगों ने हाथ बढ़ाए। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से मुस्लिम और सिख शुभचिंतक उनकी मदद के लिए आगे आए और पांचवीं सर्जरी के लिए पैसे से मदद की।

ताकी का 13 अक्टूबर को फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल में एंटीरियर कारनिओफेसियल रिसेक्शन सर्जरी की गई। सर्जरी प्रक्रिया के दौरान उनके दाहिने ललाट से 11cm X 7cm आकार का ट्यूमर के साथ ही क्षतिग्रस्त दाहिने ललाट के साइनस एवं दाएं आर्बिट से जुड़े ठोस अल्सर को निकाल दिया गया। उनकी दाईं आईबॉल में चीरा लगाया गया था और सर्जरी वाली जगह को ढंकने के लिए कमर से चमड़े को निकाल कर उनके दाई ओर ललाट से लेकर कानों तक की खाली जगह पर उस स्किन को प्रत्यारोपित किया गया। इस जटिल सर्जरी में करीब 16 घंटे लगे, जिसे फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल में सिर, गले और स्तन ऑन्कोप्लास्टी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप एस मल्होत्रा और न्यूरोसर्जरी विभाग के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राणा पाटिर की देखरेख में किया गया। डॉ. मनदीप ने जहां मरीज का ट्यूमर निकाला वहीं डॉ. राणा ने उनके मस्तिष्क के प्रभावित हिस्से को बचाने में मदद की।

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल में सिर, गले और स्तन ऑन्कोप्लास्टी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप एस मल्होत्रा ने कहा, *''मरीज की स्थिति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि उनकी सर्जरी उनके लिए जानलेवा हो सकती है, क्योंकि यह बेहद जटिल मामला था और घातक ट्यूमर काफी फैल चुका था। पहले की गई सर्जरियों की वजह से जटिलता और बढ़ गई थी, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अपनी दाईं आंख गंवानी भी पड़ी। हमारी टीम ने सर्जरी की योजना बनाने के लिए के लिए कई दिनों तक काम किया और जब हम 16 घंटे के बाद ऑपरेशन थिएटर से बाहर आए, तब हम जानते थे कि तकी ने इस लड़ाई को जीतने में हमारी मदद की थी।''*

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल में न्यूरोसर्जरी विभाग के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राणा पातिर ने कहा, *''ताकी के मस्तिष्क का एक हिस्सा भी प्रभावित हो गया था, जिससे यह सर्जरी और भी जटिल हो गई थी क्योंकि हमें मस्तिष्क की त्वचा की परत हटानी थी। उनका ललाट भी प्रभावित था और हमने उसे भी हटाने की योजना बनाई थी। इस मामले में हड्डी प्रत्यारोपण संभव नहीं था, ऐसे में हमने खोपड़ी के हिस्से को केवल स्किन से बनाने का निर्णय किया। मरीज की स्थिति में सुधार होता देख मैं अभिभूत था।''*

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक श्री अबरार अली दलाल ने कहा, *''हमें खुशी है कि हमारे पास ऐसे उत्कृष्ट चिकित्सकों की टीम है, जो नाजुक मामलों का भी अच्छी तरह से उपचार*

करने के लिए जाने जाते हैं। यह सर्जरी दुर्लभ के बीच नायब था और मरीज के डिस्चार्ज के समय जब मैं उससे मिला, तो उसे मुकराता देख बेहद संतुष्टि हुई।''

आज ताकी रोग–मुक्त है और जांच और फॉलो–अप्स के बाद वह जल्द ही सामान्य जीवन जीने लगेगा। चेहरे पर मुस्कान लिए तकी ने कहा, ''मैंने सभी उम्मीदें खो दी थीं और पैसे भी खत्म हो गए थे तथा दिल्ली आने के लिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। लेकिन उदार शुभ–चिंतकों की ओर से पैसे की मदद और डॉ. मनदीप तथा डॉ. पाटिर की कुशलता ने मेरी जान बचा ली। अब मैं कैंसर से मुक्त हूं और ऐसा महसूस कर रहा हूं जैसे मुझे दूसरा जीवन मिला है।''

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल अस्पताल के बारे में

फोर्टिस हॉस्पीटल वसंत कुंज 150 बिस्तरों की सुविधा वाला एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी–स्पेश्यलिटी, टर्शियारी केयर अस्पताल है जहां संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जाती हैं। यह अस्पताल भारत में वर्ल्ड क्लास इंटीग्रेटेड हैल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम तैयार करने की फोर्टिस हैल्थकेयर की विज़न का परिणाम है। प्रीवेंटिव हैल्थ तथा इमरजेंसी सेवाओं के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं तथा अत्याधुनिक उपचार टैक्नोलॉजी समेत अस्पताल में सभी कुछ उपलब्ध है। इसकी हैल्थकेयर टीम में देश–विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हैं जो संपूर्ण एवं दयाभाव के साथ मरीज़ों की देखभाल के लिए समर्पित हैं।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 45 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 330 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड	एवियन मीडिया
अजेय महाराज**: +91 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** तनुश्री रॉय चौधरी**: +91 9999425750;** **tanushree.chowdhury@fortishealthcare.com** प्रीति श्रीवास्तव **+9109910605271** **Ms.priti@fortishealthcare.com**	रिशू सिंह**, +91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावत**: +91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**